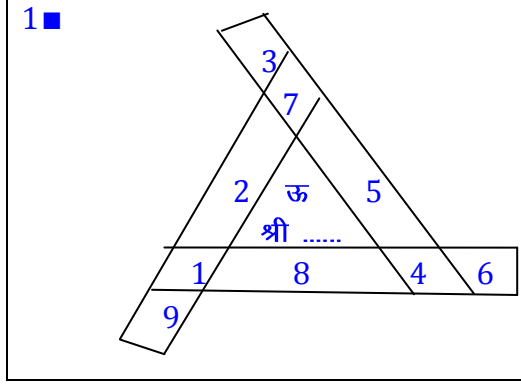


r बहुभुजिक बंध-चौघड़ियाँ

14-1 त्रिभुजिक बंध- चौघड़ियाँ-



अध्याय 12 "जादुई-वर्ग की उपयोगिता के प्रस्तावना के शब्दों में ही अंक ज्योतिष विज्ञान की शाखा यंत्र एवं कवच ' अध्ययन में त्रिभुजिक बंध-चौघड़ियाँ के प्रतिरूपण में अपने इष्ट देवी देवता के नाम मंत्र स्तवन / आकृति छाया चित्र को भोजपत्र में मानक पात् रस का मस् (स्याही) से लिखकर अथवा मानक धातु (लोहा, तौबा, पीतल, चाँदी, सोना, प्लेटिनियम) पट्टिका में खुदवाकर कर यंत्र एवं कवच पूजा या धारण करने का विधान है। जिसमें आकृति अनुसार तीन फलक होते हैं। प्रत्येक फलक में चार खाने (डब्बे) कोणिक, अन्तः-भुजिक, कोणिक और बाह्य-भुजिक की रचना बनती है। इन प्रत्येक फलक में निहित संख्यांक मानों का योगमान आपस में बराबर होते हैं।" त्रिभुजिक बंध- चौघड़ियाँ से परिभाषित है।

जैसा कि-1 से 9 तक की क्रमागत 9 संख्यांक का अनुप्रयोग कर रचित

उक्त प्रस्तुत यंत्र एवं कवच में चौघड़ियाँ योगमान $S = [1+8+4+6] = [4+5+7+3] = [7+2+1+9] = 19$ है।

142 व्यापक अध्ययन में r बहुभुजिक बंध- चौघड़ियाँ की रचना--

1 ■ $n=3r$ पदी समान्तर श्रेढी का प्रथम पद $=a$ और पदान्तर या सर्वान्तर $=b$ से प्राप्त श्रेढी $[a_1, a_2, a_3, \dots$

$(a_{3r-2}, a_{3r-1}, a_{3r})$ के अवयवों से r बहुभुजिक बंध- चौघड़ियाँ की रचना के प्रति चौघड़ियाँ योगमान S के तीन अभिगृहीत प्रतिबंध समिका प्राप्त होते हैं।

प्रतिबंध A $S = 2*[a_{3r} + a_1] - b = 2 * [अंतिम पद + प्रथम पद] - b = 4a + 6rb - 3b = 4a + 3b(2r - 1)$

प्रतिबंध B $S = 2*[a_{3r} + a_1] = 2 * [अंतिम पद + प्रथम पद] = 4a + 6rb - 2b = 4a + 2b(3r - 1)$

प्रतिबंध C $S = 2*[a_{3r} + a_1] + b = 2 * [अंतिम पद + प्रथम पद] + b = 4a + 6rb - b = 4a + b(6r - 1)$

उक्त अभिगृहीत प्रतिबंधों की अलग-अलग प्रस्तुती देने के प्रति प्राप्त श्रेढी $[a_1, a_2, a_3, \dots, a_{3r-2}, a_{3r-1}, a_{3r}]$ से सर्वप्रथम क्रमशः तीन-तीन अवयवों का r त्रिगुट बनाइये।

यथा- $(a_1, a_2, a_3), (a_4, a_5, a_6), (a_7, a_8, a_9), \dots,$

$\dots, (a_{3r-8}, a_{3r-7}, a_{3r-6}), (a_{3r-5}, a_{3r-4}, a_{3r-3}), (a_{3r-2}, a_{3r-1}, a_{3r})$

प्रतिबंध क्रम में चौघड़ियाँ रचना --

[1] प्रतिबंध A

$S = 2*[a_{3r} + a_1] - b = 2 * [अंतिम पद + प्रथम पद] - b = 4a + 3b(2r - 1)$ के तारतम्य में -

प्रस्तुती नियम 1 ■

कोणिक अवयव के प्रतिरूपण में-

किसी भी कोणिक स्थान को प्रथम कोणिक स्थान k_1 चिन्हित कर इसमें त्रिगुटों के प्रथम अवयवों $[a_1, a_4, a_7, \dots, a_{3r-8}, a_{3r-5}, a_{3r-2}]$ में से a_1 को दर्ज करें। आगे के शेष अवयव $[a_4, a_7, \dots, a_{3r-8}, a_{3r-5}, a_{3r-2}]$ को घड़ी के विपरीत दिशा की ओर से क्रमशः कोणिक स्थान क्रम $[k_2, k_3, k_4, \dots, k_{r-2}, k_{r-1}, k_r]$ में दर्ज कीजिये।

अन्तः भुजिक अवयव के प्रतिरूपण में-

1. त्रिगुटों के द्वितीय अवयवों $[a_2, a_5, a_8, \dots, a_{3r-7}, a_{3r-4}, a_{3r-1}]$ में से-

a_2 को प्रथम और अन्तिम कोणिक स्थान क्रमशः k_1 और k_r के मध्य स्थित अन्त-भुजिक में दर्ज कर आगे के शेष अवयव $[a_5, a_8, \dots, a_{3r-7}, a_{3r-4}, a_{3r-1}]$ को घड़ी की दिशा की ओर से क्रमशः अन्तिम अन्त-भुजिक तक दर्ज कीजिये।

2. त्रिगुटों के तृतीय अवयवों $[a_3, a_6, a_9, \dots, a_{3r-6}, a_{3r-3}, a_{3r}]$ में से-

a_3 को प्रथम और अन्तिम कोणिक स्थान क्रमशः k_1 और k_r के मध्य स्थित अन्त-भुजिक में दर्ज कर आगे के शेष अवयव आगे के शेष अवयव $[a_6, a_9, \dots, a_{3r-6}, a_{3r-3}, a_{3r}]$ को घड़ी की दिशा की ओर से क्रमशः अन्तिम अन्त-भुजिक तक दर्ज कीजिये।

बाह्य- भुजिक अवयव के प्रतिरूपण में-

1• अन्तः भुजिक अवयव के प्रतिरूपण1• के प्रति

त्रिगुटों के तृतीय अवयवों $[a_3, a_6, a_9, \dots, a_{3r-6}, a_{3r-3}, a_{3r}]$ में से-

a_3 को अंतिम कोणिक k_r से संलग्न स्थित बाह्य-भुजिक में दर्ज कर आगे के शेष अवयव

$[a_6, a_9, \dots, a_{3r-6}, a_{3r-3}, a_{3r}]$ को घड़ी की दिशा की ओर से क्रमशः अन्तिम बाह्य-भुजिक तक दर्ज कीजिये।

2• अन्तः भुजिक अवयव के प्रतिरूपण2• के प्रति

त्रिगुटों के द्वितीय अवयवों $[a_2, a_5, a_8, \dots, a_{3r-7}, a_{3r-4}, a_{3r-1}]$ में से-

a_2 को अंतिम कोणिक k_r से संलग्न स्थित बाह्य-भुजिक में दर्ज कर आगे के शेष अवयव

$[a_5, a_8, \dots, a_{3r-7}, a_{3r-4}, a_{3r-1}]$ को घड़ी की दिशा की ओर से क्रमशः अन्तिम बाह्य-भुजिक तक दर्ज कीजिये।

और नवीन प्रस्तुती

और नवीन प्रस्तुती देने के क्रम में a_1 का क्रमिक कोणिक स्थान परिवर्तन घड़ी के विपरीत दिशा की ओर कोणिक स्थान क्रम $[k_2, k_3, k_4, \dots, k_{r-2}, k_{r-1}, k_r]$ कीजिये।

प्रतिरूपणों की संख्या उपरोक्तानुसार कोणिक, अन्तः-भुजिक और बाह्य-भुजिक अवयव सुनिश्चित करने उपरांत प्राप्त प्रतिरूपण के प्रकारों की संख्या $2r$ होगा।

प्रस्तुती नियम 2■

त्रिगुटों के अवयव क्रम यथावत रखते त्रिगुटों उल्टे क्रम में दर्ज करें।

यथा- $(a_{3r-2}, a_{3r-1}, a_{3r}), (a_{3r-5}, a_{3r-4}, a_{3r-3}), (a_{3r-8}, a_{3r-7}, a_{3r-6}), \dots, (a_7, a_8, a_9), (a_4, a_5, a_6), (a_1, a_2, a_3),$

उपरोक्त त्रिगुटों का प्रथम अवयव $[a_{3r-2}, a_{3r-5}, a_{3r-8}, \dots, a_7, a_4, a_1]$

द्वितीय अवयव $[a_{3r-1}, a_{3r-4}, a_{3r-7}, \dots, a_8, a_5, a_2]$

तृतीय अवयव $[a_{3r}, a_{3r-3}, a_{3r-6}, \dots, a_9, a_6, a_3]$

का अनुप्रयोग प्रस्तुती 1■ के शब्दों में कीजिये। जहाँ $(a_1$ के प्रति $a_{3r-2}), (a_2$ के प्रति $a_{3r-1}), (a_3$ के प्रति $a_{3r}), \dots, (a_{3r-2}$ के प्रति $a_1), (a_{3r-1}$ के प्रति $a_2), (a_{3r}$ के प्रति $a_3), \dots$ होगा।

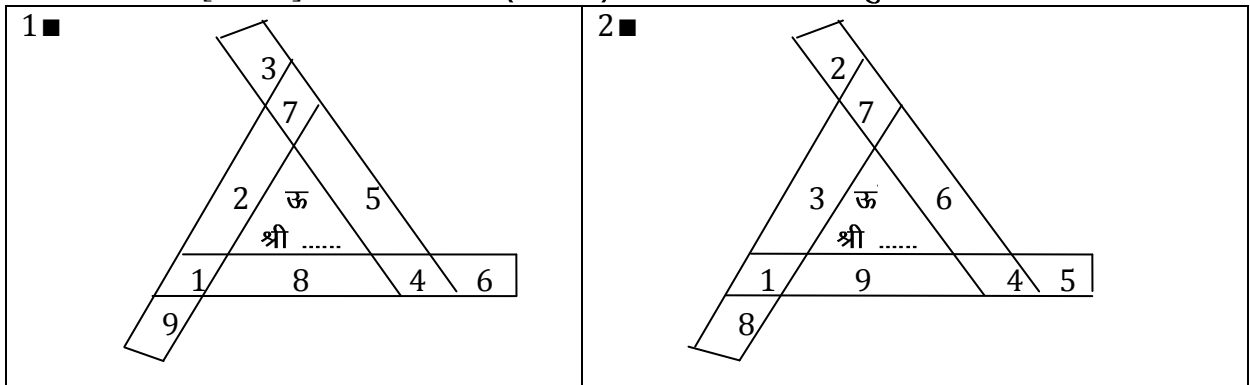
तदुपरांत प्रस्तुती क्रम देने प्रथमोत्तर कोणिक अवयव a_1 का विकल्प क्रमशः त्रिगुटों के प्रथम अवयव $[a_{3r-2}, a_{3r-5}, a_{3r-8}, \dots, a_7, a_4, a_1]$ में से a_{3r-2} को प्रतिस्थापित कीजिये। नियमानुसार संगत उल्लेखित नियमों का परिपालन कर कोणिक, अन्तः-भुजिक और बाह्य-भुजिक अवयव सुनिश्चित कीजिये।

प्रतिरूपणों की संख्या उपरोक्तानुसार कोणिक, अन्तः-भुजिक और बाह्य-भुजिक अवयव सुनिश्चित करने उपरांत प्राप्त प्रतिरूपण के प्रकारों की संख्या $2r$ होगा।

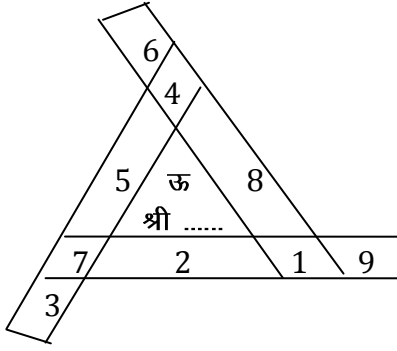
प्रतिरूपणों की कुल संख्या $2r+2r=4r$ होगा।

1 से 9 तक की क्रमागत 9 संख्यांक का अनुप्रयोग कर रचित त्रिकोणिक, अन्तः एवं बाह्य भुजिक

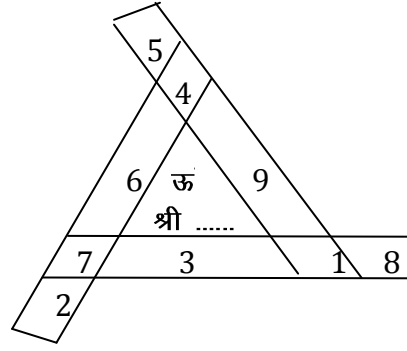
तिबंध A $S=2*[9+1]-1=19$ के (उन्नीसा) क तारतम्य में -प्रस्तुती नियम 1■ से



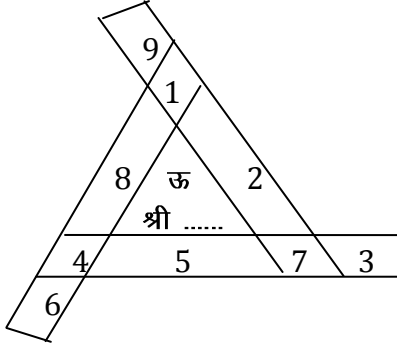
3 ■



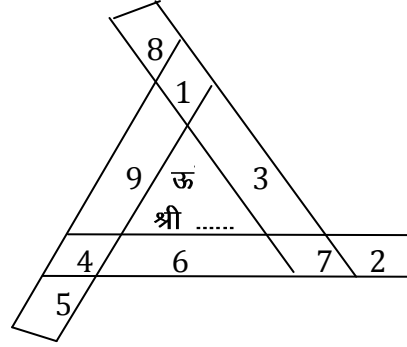
4 ■



5 ■

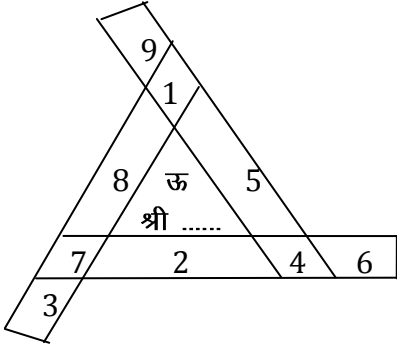


6 ■

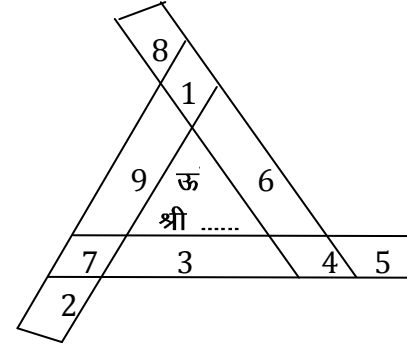


प्रस्तुती नियम 2 ■ से

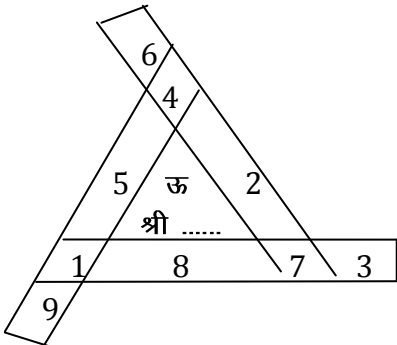
1 ■



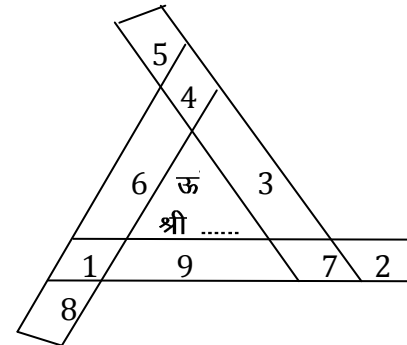
2 ■

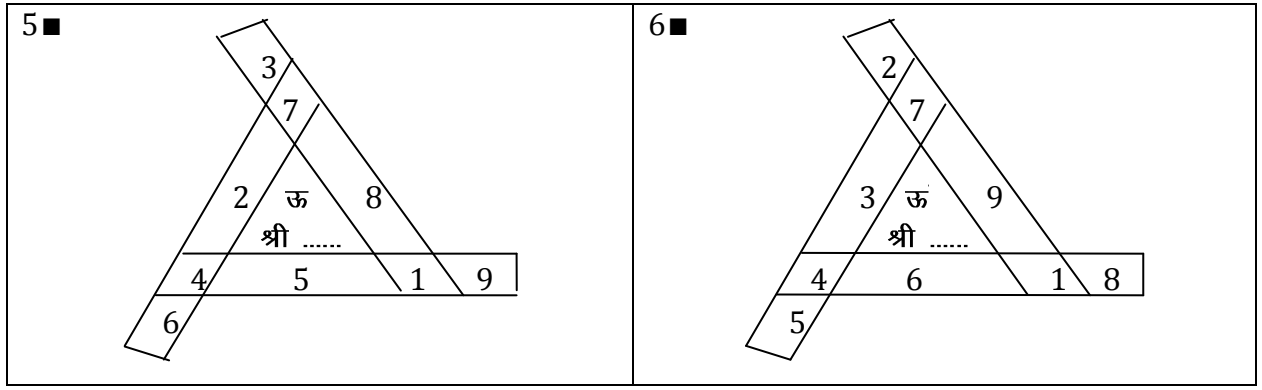


3 ■



4 ■





[2] प्रतिबंध B

$S=2*[a_{3r} + a_1] = 2 * [अंतिम पद+प्रथम पद] =4a+6rb- 2b= 4a + 2b(3r - 1)$ के तारतम्य में –
प्रस्तुती नियम 1■

कोणिक अवयव के प्रतिरूपण में–

किसी भी कोणिक स्थान को प्रथम कोणिक स्थान k_1 चिन्हित कर इसमें त्रिगुटों के द्वितीय अवयवों $[a_2, a_5, a_8, \dots a_{3r-7}, a_{3r-4}, a_{3r-1}]$ में से a_2 को दर्ज करें । आगे के शेष अवयव $[a_5, a_8, \dots a_{3r-7}, a_{3r-4}, a_{3r-1}]$ को घड़ी के विपरीत दिशा की ओर से क्रमशः कोणिक स्थान क्रम $[k_2, k_3, k_4 \dots kr - 2, k_{r-1}, k_r]$ में दर्ज कीजिये।

अन्तः भुजिक अवयव के प्रतिरूपण में–

1• त्रिगुटों के प्रथम अवयवों $[a_1, a_4, a_7, \dots a_{3r-8}, a_{3r-5}, a_{3r-2}]$ में से–

a_1 को प्रथम और अन्तिम कोणिक स्थान क्रमशः k_1 और k_r के मध्य स्थित अन्त-भुजिक में दर्ज कर आगे के शेष अवयव $[a_4, a_7, \dots a_{3r-8}, a_{3r-5}, a_{3r-2}]$ को घड़ी की दिशा की ओर से क्रमशः अन्तिम अन्त-भुजिक तक दर्ज कीजिये।

2• त्रिगुटों के तृतीय अवयवों $[a_3, a_6, a_9, \dots a_{3r-6}, a_{3r-3}, a_{3r}]$ में से–

a_3 को प्रथम और अन्तिम कोणिक स्थान क्रमशः k_1 और k_r के मध्य स्थित अन्त-भुजिक में दर्ज कर आगे के शेष अवयव आगे के शेष अवयव $[a_6, a_9, \dots a_{3r-6}, a_{3r-3}, a_{3r}]$ को घड़ी की दिशा की ओर से क्रमशः अन्तिम अन्त-भुजिक तक दर्ज कीजिये।

बाह्य- भुजिक अवयव के प्रतिरूपण में–

1• अन्तः भुजिक अवयव के प्रतिरूपण 1• के प्रति

त्रिगुटों के तृतीय अवयवों $[a_3, a_6, a_9, \dots a_{3r-6}, a_{3r-3}, a_{3r}]$ में से–

a_3 को अंतिम कोणिक k_r से संलग्न स्थित बाह्य-भुजिक में दर्ज कर आगे के शेष अवयव

$[a_6, a_9, \dots a_{3r-6}, a_{3r-3}, a_{3r}]$ को घड़ी की दिशा की ओर से क्रमशः अन्तिम बाह्य-भुजिक तक दर्ज कीजिये।

2• अन्तः भुजिक अवयव के प्रतिरूपण 2• के प्रति

त्रिगुटों के प्रथम अवयवों $[a_1, a_4, a_7, \dots a_{3r-8}, a_{3r-5}, a_{3r-2}]$ में से–

a_1 को अंतिम कोणिक k_r से संलग्न स्थित बाह्य-भुजिक में दर्ज कर आगे के शेष अवयव

$[a_4, a_7, \dots a_{3r-8}, a_{3r-5}, a_{3r-2}]$ को घड़ी की दिशा की ओर से क्रमशः अन्तिम बाह्य-भुजिक तक दर्ज कीजिये।

और नवीन प्रस्तुती

और नवीन प्रस्तुती देने के क्रम में a_2 का क्रमिक कोणिक स्थान परिवर्तन घड़ी के विपरीत दिशा की ओर कोणिक स्थान क्रम $[k_2, k_3, k_4 \dots k_{r-2}, k_{r-1}, k_r]$ कीजिये।

प्रतिरूपणों की संख्या उपरोक्तानुसार कोणिक, अन्तः-भुजिक और बाह्य-भुजिक अवयव सुनिश्चित करने उपरांत प्राप्त प्रतिरूपण के प्रकारों की संख्या $2r$ होगा।

प्रस्तुती नियम 2■

त्रिगुटों के अवयव क्रम यथावत रखते त्रिगुटों उल्टे क्रम में दर्ज करे।

यथा- $(a_{3r-2}, a_{3r-1}, a_{3r}), (a_{3r-5}, a_{3r-4}, a_{3r-3}), (a_{3r-8}, a_{3r-7}, a_{3r-6}), \dots$

$\dots (a_7, a_8, a_9), (a_4, a_5, a_6), (a_1, a_2, a_3),$

उपरोक्त त्रिगुटों का प्रथम अवयव - $[a_{3r-2}, a_{3r-5}, a_{3r-8}, \dots a_7, a_4, a_1]$

द्वितीय अवयव - $[a_{3r-1}, a_{3r-4}, a_{3r-7}, \dots - a_8, a_5, a_2]$

तृतीय अवयव- $[a_{3r}, a_{3r-3}, a_{3r-6}, \dots - a_9, a_6, a_3]$

का अनुप्रयोग प्रस्तुती 1■ के शब्दों में कीजिये। जहाँ $(a_1$ के प्रति a_{3r-2}), $(a_2$ के प्रति a_{3r-1}), $(a_3$ के प्रति a_{3r}), \dots , $(a_{3r-2}$ के प्रति a_1), $(a_{3r-1}$ के प्रति a_2), $(a_{3r}$ के प्रति a_3), होगा।

तदुपरान्त प्रस्तुती क्रम देने प्रथमोत्तर कोणिक अवयव a_2 का विकल्प क्रमशः त्रिगुटों के द्वितीय अवयव $[a_{3r-1}, a_{3r-4}, a_{3r-7} \dots - a_8, a_5, a_2]$ में से a_{3r-1} को प्रतिस्थापित कीजिये। नियमानुसार संगत उल्लेखित नियमों का परिपालन कर कोणिक, अन्तः-भुजिक और बाह्य-भुजिक अवयव सुनिश्चित कीजिये।

प्रतिरूपणों की संख्या उपरोक्तानुसार कोणिक, अन्तः-भुजिक और बाह्य-भुजिक अवयव सुनिश्चित करने उपरान्त प्राप्त प्रतिरूपण के प्रकारों की संख्या $2r$ होगा।

प्रतिरूपणों की कुल संख्या $2r+2r=4r$ होगा।

1 से 9 तक की क्रमागत 9 संख्यांक का अनुप्रयोग कर रचित त्रिकोणिक, अन्तः एवं बाह्य भुजिक

प्रतिबंध B $S=2*[9+1]=20$ के (बीसा) कतारतम्य में -

प्रस्तुती नियम 1■ से

<p>1■</p>	<p>2■</p>
<p>3■</p>	<p>4■</p>
<p>5■</p>	<p>6■</p>

प्रस्तुती नियम 2 ■ से

<p>1 ■</p>	<p>2 ■</p>
<p>3 ■</p>	<p>4 ■</p>
<p>5 ■</p>	<p>6 ■</p>

[3] प्रतिबंध C

$S=2*[a_{3r} + a_1] + b = 2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]+b = 4a+6rb - b = 4a+b(6r-1)$ के तारतम्य में –
प्रस्तुती नियम 1 ■

कोणिक अवयव के प्रतिरूपण में–

किसी भी कोणिक स्थान को प्रथम कोणिक स्थान k_1 चिन्हित कर इसमें त्रिगुटों के तृतीय अवयवों $[a_3, a_6, a_9, \dots, a_{3r-6}, a_{3r-3}, a_{3r}]$ में से a_3 को दर्ज करें। आगे के शेष अवयव $[a_6, a_9, \dots, a_{3r-6}, a_{3r-3}, a_{3r}]$ को घड़ी के विपरीत दिशा की ओर से क्रमशः कोणिक स्थान क्रम $[k_2, k_3, k_4, \dots, k_{r-1}, k_r]$ में दर्ज कीजिये।

अन्तः भुजिक अवयव के प्रतिरूपण में–

1• त्रिगुटों के प्रथम अवयवों $[a_1, a_4, a_7, \dots, a_{3r-8}, a_{3r-5}, a_{3r-2}]$ में से–

a_1 को प्रथम और अन्तिम कोणिक स्थान क्रमशः k_1 और k_r के मध्य स्थित अन्त-भुजिक में दर्ज कर आगे के शेष अवयव $[a_4, a_7, \dots, a_{3r-8}, a_{3r-5}, a_{3r-2}]$ को घड़ी की दिशा की ओर से क्रमशः अन्तिम अन्त-भुजिक तक दर्ज कीजिये।

2• त्रिगुटों के तृतीय अवयवों $[a_2, a_5, a_8, \dots, a_{3r-7}, a_{3r-4}, a_{3r-1}]$ में से–

a_2 को प्रथम और अन्तिम कोणिक स्थान क्रमशः k_1 और k_r के मध्य स्थित अन्त-भुजिक में दर्ज कर आगे के शेष अवयव $[a_5, a_8, \dots, a_{3r-7}, a_{3r-4}, a_{3r-1}]$ को घड़ी की दिशा की ओर से क्रमशः अन्तिम अन्त-भुजिक तक दर्ज कीजिये।
बाह्य-भुजिक अवयव के प्रतिरूपण में-

1• अन्तः भुजिक अवयव के प्रतिरूपण1• के प्रति

त्रिगुटों के तृतीय अवयवों $[a_2, a_5, a_8, \dots, a_{3r-7}, a_{3r-4}, a_{3r-1}]$ में से-

a_2 को अन्तिम कोणिक k_r से संलग्न स्थित बाह्य-भुजिक में दर्ज कर आगे के शेष अवयव

$[a_5, a_8, \dots, a_{3r-7}, a_{3r-4}, a_{3r-1}]$ को घड़ी की दिशा की ओर से क्रमशः अन्तिम बाह्य-भुजिक तक दर्ज कीजिये।

2• अन्तः भुजिक अवयव के प्रतिरूपण2• के प्रति

त्रिगुटों के प्रथम अवयवों $[a_1, a_4, a_7, \dots, a_{3r-8}, a_{3r-5}, a_{3r-2}]$ में से-

a_1 को अन्तिम कोणिक k_r से संलग्न स्थित बाह्य-भुजिक में दर्ज कर आगे के शेष अवयव

$[a_4, a_7, \dots, a_{3r-8}, a_{3r-5}, a_{3r-2}]$ को घड़ी की दिशा की ओर से क्रमशः अन्तिम बाह्य-भुजिक तक दर्ज कीजिये।

और नवीन प्रस्तुती

और नवीन प्रस्तुती देने के क्रम में a_3 का क्रमिक कोणिक स्थान परिवर्तन घड़ी के विपरीत दिशा की ओर कोणिक स्थान क्रम $[k_2, k_3, k_4, \dots, k_{r-2}, k_{r-1}, k_r]$ में दर्ज कीजिये।

प्रतिरूपणों की संख्या उपरोक्तानुसार कोणिक, अन्तः-भुजिक और बाह्य-भुजिक अवयव सुनिश्चित करने उपरांत प्राप्त प्रतिरूपण के प्रकारों की संख्या $2r$ होगा।

प्रस्तुती नियम 2■

त्रिगुटों के अवयव क्रम यथावत रखते त्रिगुटों उल्टे क्रम में दर्ज करे।

यथा- $(a_{3r-2}, a_{3r-1}, a_{3r}), (a_{3r-5}, a_{3r-4}, a_{3r-3}), (a_{3r-8}, a_{3r-7}, a_{3r-6}), \dots, (a_7, a_8, a_9), (a_4, a_5, a_6), (a_1, a_2, a_3)$,

उपरोक्त त्रिगुटों का प्रथम अवयव - $[a_{3r-2}, a_{3r-5}, a_{3r-8}, \dots, a_7, a_4, a_1]$

द्वितीय अवयव - $[a_{3r-1}, a_{3r-4}, a_{3r-7}, \dots, a_8, a_5, a_2]$

तृतीय अवयव- $[a_{3r}, a_{3r-3}, a_{3r-6}, \dots, a_9, a_6, a_3]$

का अनुप्रयोग प्रस्तुती 1■ के शब्दों में कीजिये। जहाँ $(a_1$ के प्रति $a_{3r-2})$, $(a_2$ के प्रति $a_{3r-1})$, $(a_3$ के प्रति $a_{3r})$, $\dots, (a_{3r-2}$ के प्रति $a_1)$, $(a_{3r-1}$ के प्रति $a_2)$, $(a_{3r}$ के प्रति $a_3)$, होगा।

तदुपरांत प्रस्तुती क्रम देने प्रथमोत्तर कोणिक अवयव a_3 का विकल्प क्रमशः त्रिगुटों के तृतीय अवयव $[a_{3r}, a_{3r-3}, a_{3r-6}, \dots, a_9, a_6, a_3]$ में से a_{3r} को प्रतिस्थापित कीजिये। नियमानुसार संगत उल्लेखित नियमों का परिपालन कर कोणिक, अन्तः-भुजिक और बाह्य-भुजिक अवयव सुनिश्चित कीजिये।

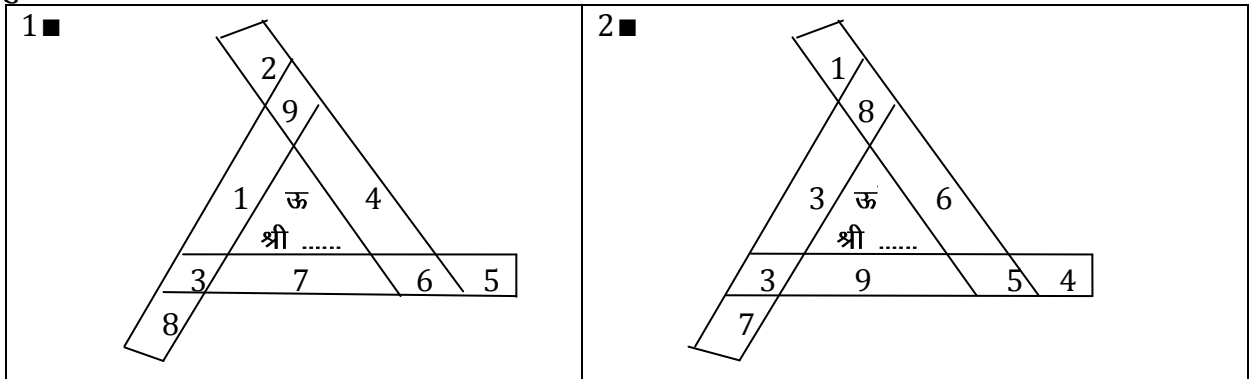
प्रतिरूपणों की संख्या उपरोक्तानुसार कोणिक, अन्तः-भुजिक और बाह्य-भुजिक अवयव सुनिश्चित करने उपरांत प्राप्त प्रतिरूपण के प्रकारों की संख्या $2r$ होगा।

प्रतिरूपणों की कुल संख्या $2r+2r=4r$ होगा।

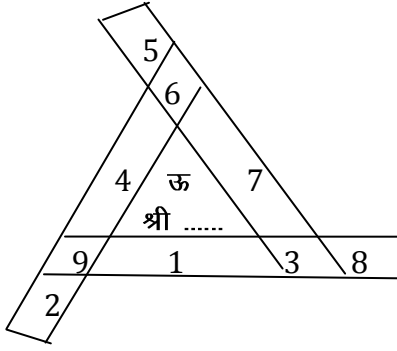
1 से 9 तक की क्रमागत 9 संख्यांक का अनुप्रयोग कर रचित त्रिकोणिक, अन्तः एवं बाह्य भुजिक

प्रतिबंध C $S=2*9 + 3 = 21$ (इक्कीसा) क तारतम्य में -

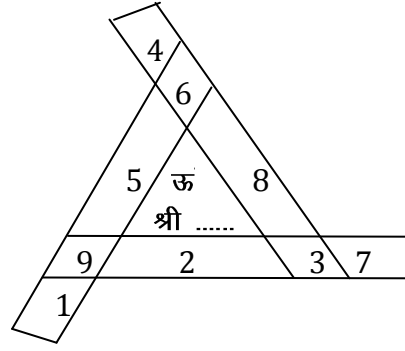
प्रस्तुती नियम 1■ से



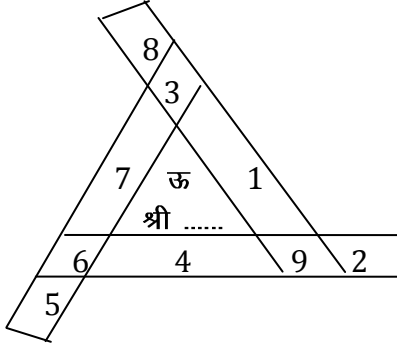
3 ■



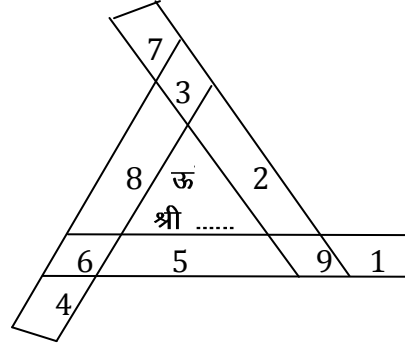
4 ■



5 ■

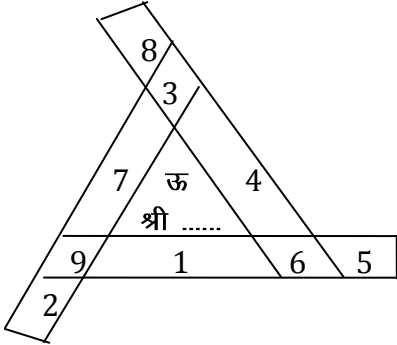


6 ■

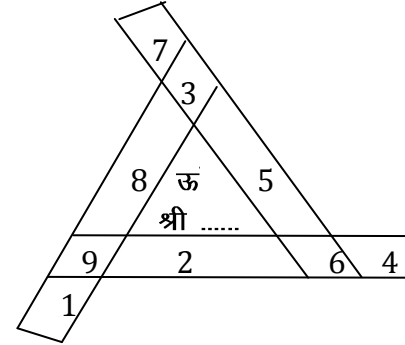


प्रस्तुती नियम 2 ■ से

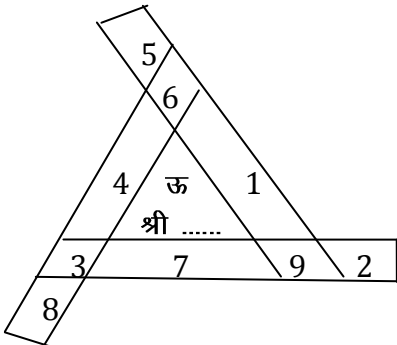
1 ■



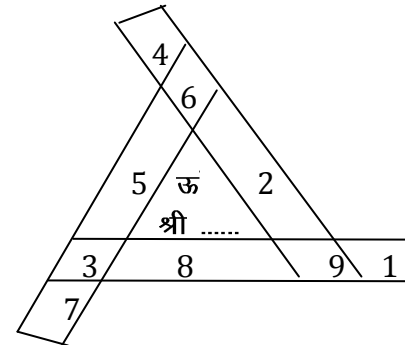
2 ■

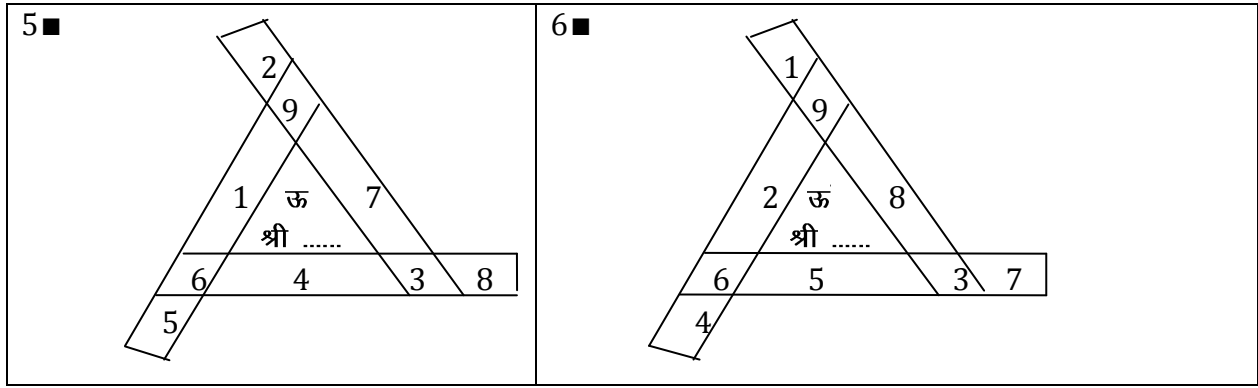


3 ■



4 ■





तब—**उदाहरण [1]** परवर दिगार अल्लाह की स्तुति • बिस्मील्ला हिर्रम्हमा निर्रहीम • (अल्लाह के नाम से शुरू जो बहुत मेहरबान और रहम करने वाला है ।) संख्या [786] सा के प्रति—

1■ नियम A के अनुसार चौघड़ियाँ योगमान = [786] सा प्राप्त करने - $4a+15b=786$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पद $a=189$ और सर्वान्तर $b=2$ की प्रयुक्ता पर

9 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [189, 191, 193, 195, 197, 199, 201, 203, 205] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]-b=2*[205+189] -2=786$ सा

2. न्यूनतम प्रथम पद $a=9$ और सर्वान्तर $b=50$ की प्रयुक्ता पर

9 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [9, 59, 109, 159, 209, , 259, 309, 359, 309] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]-b=2*[309+9] -50=786$ सा

2■ नियम B के अनुसार चौघड़ियाँ योगमान = [786] सा प्राप्त करने - $4a+16b=786$ के प्रति

प्रथम पद a और सर्वान्तर b का हल मान प्राकृत संख्या नहीं होगा।

3■ नियम C के अनुसार चौघड़ियाँ योगमान = [786] सा प्राप्त करने - $4a+17b=786$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पद $a=188$ और सर्वान्तर $b=2$ की प्रयुक्ता पर

9 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [188, 190, 192, 194, 196, 198, 200, 202, 204] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]+b=2*[204+188] +2=786$ सा

2. न्यूनतम प्रथम पद $a=1$ और सर्वान्तर $b=46$ की प्रयुक्ता पर

9 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [1, 47, 93, 139, 185, 231, 277, 323, 369] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]+b=2*[369+1] +46=786$ सा

उदाहरण [2] श्री बूढादेव जयसेवा संख्या [750] सा के प्रति—

1■ नियम A के अनुसार चौघड़ियाँ योगमान = [750] सा प्राप्त करने - $4a+15b=750$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पदमान $a=180$ और सर्वान्तर $b=2$ की प्रयुक्ता पर

9 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [180, 182, 184, 186, 188, 190, 192, 194, 196] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]-b=2*[196+180] -2=750$ सा

2. न्यूनतम प्रथम पद मान $a=15$ के प्रति सर्वान्तर $b=46$ की प्रयुक्ता पर

9 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [15, 61, 107, 153, 199, 245, 291, 337, 383] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]-b=2*[383+15] -46=750$ सा

2■ नियम B के अनुसार चौघड़ियाँ योगमान = [750] सा प्राप्त करने - $4a+16b=750$ के प्रति

प्रथम पद a और सर्वान्तर b का हल मान प्राकृत संख्या नहीं होगा।

3■ नियम C के अनुसार चौघड़ियाँ योगमान = [750] सा प्राप्त करने - $4a+17b=750$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पद $a=179$ और सर्वान्तर $b=2$ की प्रयुक्ता पर

9 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [179, 181, 183, 185, 187, 189, 191, 193, 195] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]+b=2*[195+179] +2=750$

2. न्यूनतम प्रथम पद $a=9$ और सर्वान्तर $b=42$ की प्रयुक्ता पर

9 पदी समांतर श्रेणिक अवयव- $[9,51,93,135,177,219,261,303,345]$ होगा।

जाँच $2 * [\text{अंतिम पद} + \text{प्रथम पद}] + b = 2 * [345 + 9] + 42 = 750$

14-3 1 से 12 तक की क्रमागत 12 संख्यांक का अनुप्रयोग कर रचित चतुष्कोणिक ,अन्तः एवं बाह्य भुजिक चौघड़ियाँ

प्रतिबंध A $S=2*[12 + 1] - 1 = 25$ (पच्चीसा) के तारतम्य में -

प्रस्तुती नियम 1■ से

-1■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>6</td><td></td></tr> <tr><td>3</td><td>10</td><td>5</td><td>7</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>2</td><td>ऊँ श्री....</td><td>8</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>1</td><td>11</td><td>4</td><td>9</td></tr> <tr><td></td><td>12</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				6		3	10	5	7			2	ऊँ श्री....	8			1	11	4	9		12				2■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>5</td><td></td></tr> <tr><td>2</td><td>10</td><td>6</td><td>7</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>3</td><td>ऊँ श्री....</td><td>9</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>1</td><td>12</td><td>4</td><td>8</td></tr> <tr><td></td><td>11</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				5		2	10	6	7			3	ऊँ श्री....	9			1	12	4	8		11				3■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>9</td><td></td></tr> <tr><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>4</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>5</td><td>ऊँ श्री....</td><td>11</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>10</td><td>2</td><td>1</td><td>12</td></tr> <tr><td></td><td>3</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				9		6	7	8	4			5	ऊँ श्री....	11			10	2	1	12		3				4■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>8</td><td></td></tr> <tr><td>5</td><td>7</td><td>9</td><td>4</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>6</td><td>ऊँ श्री....</td><td>12</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>10</td><td>3</td><td>1</td><td>11</td></tr> <tr><td></td><td>2</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				8		5	7	9	4			6	ऊँ श्री....	12			10	3	1	11		2			
			6																																																																																																				
3	10	5	7																																																																																																				
	2	ऊँ श्री....	8																																																																																																				
	1	11	4	9																																																																																																			
	12																																																																																																						
			5																																																																																																				
2	10	6	7																																																																																																				
	3	ऊँ श्री....	9																																																																																																				
	1	12	4	8																																																																																																			
	11																																																																																																						
			9																																																																																																				
6	7	8	4																																																																																																				
	5	ऊँ श्री....	11																																																																																																				
	10	2	1	12																																																																																																			
	3																																																																																																						
			8																																																																																																				
5	7	9	4																																																																																																				
	6	ऊँ श्री....	12																																																																																																				
	10	3	1	11																																																																																																			
	2																																																																																																						
5■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>12</td><td></td></tr> <tr><td>9</td><td>4</td><td>11</td><td>1</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>8</td><td>ऊँ श्री....</td><td>2</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>7</td><td>5</td><td>10</td><td>3</td></tr> <tr><td></td><td>6</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				12		9	4	11	1			8	ऊँ श्री....	2			7	5	10	3		6				6■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>11</td><td></td></tr> <tr><td>8</td><td>4</td><td>12</td><td>1</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>9</td><td>ऊँ श्री....</td><td>3</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>7</td><td>6</td><td>10</td><td>2</td></tr> <tr><td></td><td>5</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				11		8	4	12	1			9	ऊँ श्री....	3			7	6	10	2		5				7■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>3</td><td></td></tr> <tr><td>12</td><td>1</td><td>2</td><td>10</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>11</td><td>ऊँ श्री....</td><td>5</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>4</td><td>8</td><td>7</td><td>6</td></tr> <tr><td></td><td>9</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				3		12	1	2	10			11	ऊँ श्री....	5			4	8	7	6		9				8■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>2</td><td></td></tr> <tr><td>11</td><td>1</td><td>3</td><td>10</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>12</td><td>ऊँ श्री....</td><td>6</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>4</td><td>9</td><td>7</td><td>5</td></tr> <tr><td></td><td>8</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				2		11	1	3	10			12	ऊँ श्री....	6			4	9	7	5		8			
			12																																																																																																				
9	4	11	1																																																																																																				
	8	ऊँ श्री....	2																																																																																																				
	7	5	10	3																																																																																																			
	6																																																																																																						
			11																																																																																																				
8	4	12	1																																																																																																				
	9	ऊँ श्री....	3																																																																																																				
	7	6	10	2																																																																																																			
	5																																																																																																						
			3																																																																																																				
12	1	2	10																																																																																																				
	11	ऊँ श्री....	5																																																																																																				
	4	8	7	6																																																																																																			
	9																																																																																																						
			2																																																																																																				
11	1	3	10																																																																																																				
	12	ऊँ श्री....	6																																																																																																				
	4	9	7	5																																																																																																			
	8																																																																																																						

प्रस्तुती नियम 2■ से

1■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>9</td><td></td></tr> <tr><td>12</td><td>1</td><td>8</td><td>4</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>11</td><td>ऊँ श्री....</td><td>5</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>10</td><td>2</td><td>7</td><td>6</td></tr> <tr><td></td><td>3</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				9		12	1	8	4			11	ऊँ श्री....	5			10	2	7	6		3				2■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>8</td><td></td></tr> <tr><td>11</td><td>1</td><td>9</td><td>4</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>12</td><td>ऊँ श्री....</td><td>6</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>10</td><td>3</td><td>7</td><td>5</td></tr> <tr><td></td><td>2</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				8		11	1	9	4			12	ऊँ श्री....	6			10	3	7	5		2				3■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>6</td><td></td></tr> <tr><td>9</td><td>4</td><td>5</td><td>7</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>8</td><td>ऊँ श्री....</td><td>2</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>1</td><td>11</td><td>10</td><td>3</td></tr> <tr><td></td><td>12</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				6		9	4	5	7			8	ऊँ श्री....	2			1	11	10	3		12				4■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>5</td><td></td></tr> <tr><td>8</td><td>4</td><td>6</td><td>7</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>9</td><td>ऊँ श्री....</td><td>3</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>1</td><td>12</td><td>10</td><td>2</td></tr> <tr><td></td><td>11</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				5		8	4	6	7			9	ऊँ श्री....	3			1	12	10	2		11			
			9																																																																																																				
12	1	8	4																																																																																																				
	11	ऊँ श्री....	5																																																																																																				
	10	2	7	6																																																																																																			
	3																																																																																																						
			8																																																																																																				
11	1	9	4																																																																																																				
	12	ऊँ श्री....	6																																																																																																				
	10	3	7	5																																																																																																			
	2																																																																																																						
			6																																																																																																				
9	4	5	7																																																																																																				
	8	ऊँ श्री....	2																																																																																																				
	1	11	10	3																																																																																																			
	12																																																																																																						
			5																																																																																																				
8	4	6	7																																																																																																				
	9	ऊँ श्री....	3																																																																																																				
	1	12	10	2																																																																																																			
	11																																																																																																						
5■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>3</td><td></td></tr> <tr><td>6</td><td>7</td><td>2</td><td>10</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>5</td><td>ऊँ श्री....</td><td>11</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>4</td><td>8</td><td>1</td><td>12</td></tr> <tr><td></td><td>9</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				3		6	7	2	10			5	ऊँ श्री....	11			4	8	1	12		9				6■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>2</td><td></td></tr> <tr><td>5</td><td>7</td><td>3</td><td>10</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>6</td><td>ऊँ श्री....</td><td>12</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>4</td><td>9</td><td>1</td><td>11</td></tr> <tr><td></td><td>8</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				2		5	7	3	10			6	ऊँ श्री....	12			4	9	1	11		8				7■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>12</td><td></td></tr> <tr><td>3</td><td>10</td><td>11</td><td>1</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>2</td><td>ऊँ श्री....</td><td>8</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>7</td><td>5</td><td>4</td><td>9</td></tr> <tr><td></td><td>6</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				12		3	10	11	1			2	ऊँ श्री....	8			7	5	4	9		6				8■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>11</td><td></td></tr> <tr><td>2</td><td>10</td><td>12</td><td>1</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>3</td><td>ऊँ श्री....</td><td>9</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>7</td><td>6</td><td>4</td><td>8</td></tr> <tr><td></td><td>5</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				11		2	10	12	1			3	ऊँ श्री....	9			7	6	4	8		5			
			3																																																																																																				
6	7	2	10																																																																																																				
	5	ऊँ श्री....	11																																																																																																				
	4	8	1	12																																																																																																			
	9																																																																																																						
			2																																																																																																				
5	7	3	10																																																																																																				
	6	ऊँ श्री....	12																																																																																																				
	4	9	1	11																																																																																																			
	8																																																																																																						
			12																																																																																																				
3	10	11	1																																																																																																				
	2	ऊँ श्री....	8																																																																																																				
	7	5	4	9																																																																																																			
	6																																																																																																						
			11																																																																																																				
2	10	12	1																																																																																																				
	3	ऊँ श्री....	9																																																																																																				
	7	6	4	8																																																																																																			
	5																																																																																																						

प्रतिबंध B $S=2*[12 + 1] = 26$ (छब्बीसा) के तारतम्य में -

प्रस्तुती नियम 1■ से

1■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>6</td><td></td></tr> <tr><td>3</td><td>11</td><td>4</td><td>8</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>1</td><td>ऊँ श्री....</td><td>7</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>2</td><td>10</td><td>5</td><td>9</td></tr> <tr><td></td><td>12</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				6		3	11	4	8			1	ऊँ श्री....	7			2	10	5	9		12				2■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>4</td><td></td></tr> <tr><td>1</td><td>11</td><td>6</td><td>8</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>3</td><td>ऊँ श्री....</td><td>9</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>2</td><td>12</td><td>5</td><td>7</td></tr> <tr><td></td><td>10</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				4		1	11	6	8			3	ऊँ श्री....	9			2	12	5	7		10				3■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>9</td><td></td></tr> <tr><td>6</td><td>8</td><td>7</td><td>5</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>4</td><td>ऊँ श्री....</td><td>10</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>11</td><td>1</td><td>2</td><td>12</td></tr> <tr><td></td><td>3</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				9		6	8	7	5			4	ऊँ श्री....	10			11	1	2	12		3				4■ <table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>7</td><td></td></tr> <tr><td>4</td><td>8</td><td>9</td><td>5</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>6</td><td>ऊँ श्री....</td><td>12</td><td></td></tr> <tr><td></td><td>11</td><td>3</td><td>2</td><td>10</td></tr> <tr><td></td><td>1</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				7		4	8	9	5			6	ऊँ श्री....	12			11	3	2	10		1			
			6																																																																																																				
3	11	4	8																																																																																																				
	1	ऊँ श्री....	7																																																																																																				
	2	10	5	9																																																																																																			
	12																																																																																																						
			4																																																																																																				
1	11	6	8																																																																																																				
	3	ऊँ श्री....	9																																																																																																				
	2	12	5	7																																																																																																			
	10																																																																																																						
			9																																																																																																				
6	8	7	5																																																																																																				
	4	ऊँ श्री....	10																																																																																																				
	11	1	2	12																																																																																																			
	3																																																																																																						
			7																																																																																																				
4	8	9	5																																																																																																				
	6	ऊँ श्री....	12																																																																																																				
	11	3	2	10																																																																																																			
	1																																																																																																						

<p>5■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>12</td></tr> <tr><td>0</td><td>5</td><td>10</td><td>2</td></tr> <tr><td></td><td>7</td><td>ऊँ श्री....</td><td>1</td></tr> <tr><td></td><td>8</td><td>4</td><td>11 3</td></tr> <tr><td></td><td>6</td><td></td><td></td></tr> </table>				12	0	5	10	2		7	ऊँ श्री....	1		8	4	11 3		6			<p>6■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>10</td></tr> <tr><td>7</td><td>5</td><td>12</td><td>2</td></tr> <tr><td></td><td>9</td><td>ऊँ श्री....</td><td>3</td></tr> <tr><td></td><td>8</td><td>6</td><td>11 1</td></tr> <tr><td></td><td>4</td><td></td><td></td></tr> </table>				10	7	5	12	2		9	ऊँ श्री....	3		8	6	11 1		4			<p>7■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>3</td></tr> <tr><td>12</td><td>2</td><td>1</td><td>11</td></tr> <tr><td></td><td>10</td><td>ऊँ श्री....</td><td>4</td></tr> <tr><td></td><td>5</td><td>7</td><td>8 6</td></tr> <tr><td></td><td>9</td><td></td><td></td></tr> </table>				3	12	2	1	11		10	ऊँ श्री....	4		5	7	8 6		9			<p>8■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>1</td></tr> <tr><td>10</td><td>2</td><td>3</td><td>11</td></tr> <tr><td></td><td>12</td><td>ऊँ श्री....</td><td>6</td></tr> <tr><td></td><td>5</td><td>9</td><td>8 4</td></tr> <tr><td></td><td>7</td><td></td><td></td></tr> </table>				1	10	2	3	11		12	ऊँ श्री....	6		5	9	8 4		7		
			12																																																																																
0	5	10	2																																																																																
	7	ऊँ श्री....	1																																																																																
	8	4	11 3																																																																																
	6																																																																																		
			10																																																																																
7	5	12	2																																																																																
	9	ऊँ श्री....	3																																																																																
	8	6	11 1																																																																																
	4																																																																																		
			3																																																																																
12	2	1	11																																																																																
	10	ऊँ श्री....	4																																																																																
	5	7	8 6																																																																																
	9																																																																																		
			1																																																																																
10	2	3	11																																																																																
	12	ऊँ श्री....	6																																																																																
	5	9	8 4																																																																																
	7																																																																																		

प्रस्तुती नियम 2■ से

<p>1■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>9</td></tr> <tr><td>12</td><td>2</td><td>7</td><td>5</td></tr> <tr><td></td><td>10</td><td>ऊँ श्री....</td><td>4</td></tr> <tr><td></td><td>11</td><td>1</td><td>8 6</td></tr> <tr><td></td><td>3</td><td></td><td></td></tr> </table>				9	12	2	7	5		10	ऊँ श्री....	4		11	1	8 6		3			<p>2■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>7</td></tr> <tr><td>10</td><td>2</td><td>9</td><td>5</td></tr> <tr><td></td><td>12</td><td>ऊँ श्री....</td><td>6</td></tr> <tr><td></td><td>11</td><td>3</td><td>8 4</td></tr> <tr><td></td><td>1</td><td></td><td></td></tr> </table>				7	10	2	9	5		12	ऊँ श्री....	6		11	3	8 4		1			<p>3■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>6</td></tr> <tr><td>9</td><td>5</td><td>4</td><td>8</td></tr> <tr><td></td><td>7</td><td>ऊँ श्री....</td><td>1</td></tr> <tr><td></td><td>2</td><td>10</td><td>11 3</td></tr> <tr><td></td><td>12</td><td></td><td></td></tr> </table>				6	9	5	4	8		7	ऊँ श्री....	1		2	10	11 3		12			<p>4■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>4</td></tr> <tr><td>7</td><td>5</td><td>6</td><td>8</td></tr> <tr><td></td><td>9</td><td>ऊँ श्री....</td><td>3</td></tr> <tr><td></td><td>2</td><td>12</td><td>11 1</td></tr> <tr><td></td><td>10</td><td></td><td></td></tr> </table>				4	7	5	6	8		9	ऊँ श्री....	3		2	12	11 1		10		
			9																																																																																
12	2	7	5																																																																																
	10	ऊँ श्री....	4																																																																																
	11	1	8 6																																																																																
	3																																																																																		
			7																																																																																
10	2	9	5																																																																																
	12	ऊँ श्री....	6																																																																																
	11	3	8 4																																																																																
	1																																																																																		
			6																																																																																
9	5	4	8																																																																																
	7	ऊँ श्री....	1																																																																																
	2	10	11 3																																																																																
	12																																																																																		
			4																																																																																
7	5	6	8																																																																																
	9	ऊँ श्री....	3																																																																																
	2	12	11 1																																																																																
	10																																																																																		
<p>5■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>3</td></tr> <tr><td>6</td><td>8</td><td>1</td><td>11</td></tr> <tr><td></td><td>4</td><td>ऊँ श्री....</td><td>10</td></tr> <tr><td></td><td>5</td><td>7</td><td>2 12</td></tr> <tr><td></td><td>9</td><td></td><td></td></tr> </table>				3	6	8	1	11		4	ऊँ श्री....	10		5	7	2 12		9			<p>6■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>1</td></tr> <tr><td>4</td><td>8</td><td>3</td><td>11</td></tr> <tr><td></td><td>6</td><td>ऊँ श्री....</td><td>12</td></tr> <tr><td></td><td>5</td><td>9</td><td>2 10</td></tr> <tr><td></td><td>7</td><td></td><td></td></tr> </table>				1	4	8	3	11		6	ऊँ श्री....	12		5	9	2 10		7			<p>7■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>12</td></tr> <tr><td>3</td><td>11</td><td>10</td><td>2</td></tr> <tr><td></td><td>1</td><td>ऊँ श्री....</td><td>7</td></tr> <tr><td></td><td>8</td><td>4</td><td>5 9</td></tr> <tr><td></td><td>6</td><td></td><td></td></tr> </table>				12	3	11	10	2		1	ऊँ श्री....	7		8	4	5 9		6			<p>8■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>10</td></tr> <tr><td>1</td><td>11</td><td>12</td><td>2</td></tr> <tr><td></td><td>3</td><td>ऊँ श्री....</td><td>9</td></tr> <tr><td></td><td>8</td><td>6</td><td>5 7</td></tr> <tr><td></td><td>4</td><td></td><td></td></tr> </table>				10	1	11	12	2		3	ऊँ श्री....	9		8	6	5 7		4		
			3																																																																																
6	8	1	11																																																																																
	4	ऊँ श्री....	10																																																																																
	5	7	2 12																																																																																
	9																																																																																		
			1																																																																																
4	8	3	11																																																																																
	6	ऊँ श्री....	12																																																																																
	5	9	2 10																																																																																
	7																																																																																		
			12																																																																																
3	11	10	2																																																																																
	1	ऊँ श्री....	7																																																																																
	8	4	5 9																																																																																
	6																																																																																		
			10																																																																																
1	11	12	2																																																																																
	3	ऊँ श्री....	9																																																																																
	8	6	5 7																																																																																
	4																																																																																		

प्रतिबंध C $S=2*[12 + 1] + 1 = 27$ (सत्ताइसा) के तारतम्य में –
प्रस्तुती नियम 1■ से

<p>1■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>5</td></tr> <tr><td>2</td><td>12</td><td>4</td><td>9</td></tr> <tr><td></td><td>1</td><td>ऊँ श्री....</td><td>7</td></tr> <tr><td></td><td>3</td><td>10</td><td>6 8</td></tr> <tr><td></td><td>11</td><td></td><td></td></tr> </table>				5	2	12	4	9		1	ऊँ श्री....	7		3	10	6 8		11			<p>1■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>4</td></tr> <tr><td>1</td><td>12</td><td>5</td><td>9</td></tr> <tr><td></td><td>2</td><td>ऊँ श्री....</td><td>8</td></tr> <tr><td></td><td>3</td><td>11</td><td>6 7</td></tr> <tr><td></td><td>10</td><td></td><td></td></tr> </table>				4	1	12	5	9		2	ऊँ श्री....	8		3	11	6 7		10			<p>3■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>8</td></tr> <tr><td>5</td><td>9</td><td>7</td><td>6</td></tr> <tr><td></td><td>4</td><td>ऊँ श्री....</td><td>10</td></tr> <tr><td></td><td>12</td><td>1</td><td>3 11</td></tr> <tr><td></td><td>2</td><td></td><td></td></tr> </table>				8	5	9	7	6		4	ऊँ श्री....	10		12	1	3 11		2			<p>4■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>7</td></tr> <tr><td>4</td><td>9</td><td>8</td><td>6</td></tr> <tr><td></td><td>5</td><td>ऊँ श्री....</td><td>11</td></tr> <tr><td></td><td>12</td><td>2</td><td>3 10</td></tr> <tr><td></td><td>1</td><td></td><td></td></tr> </table>				7	4	9	8	6		5	ऊँ श्री....	11		12	2	3 10		1		
			5																																																																																
2	12	4	9																																																																																
	1	ऊँ श्री....	7																																																																																
	3	10	6 8																																																																																
	11																																																																																		
			4																																																																																
1	12	5	9																																																																																
	2	ऊँ श्री....	8																																																																																
	3	11	6 7																																																																																
	10																																																																																		
			8																																																																																
5	9	7	6																																																																																
	4	ऊँ श्री....	10																																																																																
	12	1	3 11																																																																																
	2																																																																																		
			7																																																																																
4	9	8	6																																																																																
	5	ऊँ श्री....	11																																																																																
	12	2	3 10																																																																																
	1																																																																																		

<p>5■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>11</td></tr> <tr><td>8</td><td>6</td><td>10</td><td>3</td></tr> <tr><td>5</td><td>7</td><td>ऊँ श्री....</td><td>1</td></tr> <tr><td></td><td>9</td><td>4</td><td>12 2</td></tr> <tr><td></td><td>5</td><td></td><td></td></tr> </table>				11	8	6	10	3	5	7	ऊँ श्री....	1		9	4	12 2		5			<p>6■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>10</td></tr> <tr><td>7</td><td>6</td><td>11</td><td>3</td></tr> <tr><td></td><td>8</td><td>ऊँ श्री....</td><td>2</td></tr> <tr><td></td><td>9</td><td>5</td><td>12 1</td></tr> <tr><td></td><td>4</td><td></td><td></td></tr> </table>				10	7	6	11	3		8	ऊँ श्री....	2		9	5	12 1		4			<p>7■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>2</td></tr> <tr><td>11</td><td>3</td><td>1</td><td>12</td></tr> <tr><td></td><td>10</td><td>ऊँ श्री....</td><td>4</td></tr> <tr><td></td><td>6</td><td>7</td><td>9 5</td></tr> <tr><td></td><td>8</td><td></td><td></td></tr> </table>				2	11	3	1	12		10	ऊँ श्री....	4		6	7	9 5		8			<p>8■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>1</td></tr> <tr><td>10</td><td>3</td><td>2</td><td>12</td></tr> <tr><td></td><td>11</td><td>ऊँ श्री....</td><td>5</td></tr> <tr><td></td><td>6</td><td>8</td><td>9 4</td></tr> <tr><td></td><td>7</td><td></td><td></td></tr> </table>				1	10	3	2	12		11	ऊँ श्री....	5		6	8	9 4		7		
			11																																																																																
8	6	10	3																																																																																
5	7	ऊँ श्री....	1																																																																																
	9	4	12 2																																																																																
	5																																																																																		
			10																																																																																
7	6	11	3																																																																																
	8	ऊँ श्री....	2																																																																																
	9	5	12 1																																																																																
	4																																																																																		
			2																																																																																
11	3	1	12																																																																																
	10	ऊँ श्री....	4																																																																																
	6	7	9 5																																																																																
	8																																																																																		
			1																																																																																
10	3	2	12																																																																																
	11	ऊँ श्री....	5																																																																																
	6	8	9 4																																																																																
	7																																																																																		

प्रस्तुती नियम 2■ से

<p>1■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>7</td></tr> <tr><td>10</td><td>3</td><td>8</td><td>6</td></tr> <tr><td></td><td>11</td><td>ऊँ श्री....</td><td>5</td></tr> <tr><td></td><td>12</td><td>2</td><td>9 4</td></tr> <tr><td></td><td>1</td><td></td><td></td></tr> </table>				7	10	3	8	6		11	ऊँ श्री....	5		12	2	9 4		1			<p>2■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>8</td></tr> <tr><td>11</td><td>3</td><td>7</td><td>6</td></tr> <tr><td></td><td>10</td><td>ऊँ श्री....</td><td>4</td></tr> <tr><td></td><td>12</td><td>1</td><td>9 5</td></tr> <tr><td></td><td>2</td><td></td><td></td></tr> </table>				8	11	3	7	6		10	ऊँ श्री....	4		12	1	9 5		2			<p>3■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>4</td></tr> <tr><td>7</td><td>6</td><td>5</td><td>9</td></tr> <tr><td></td><td>8</td><td>ऊँ श्री....</td><td>2</td></tr> <tr><td></td><td>3</td><td>11</td><td>12 1</td></tr> <tr><td></td><td>10</td><td></td><td></td></tr> </table>				4	7	6	5	9		8	ऊँ श्री....	2		3	11	12 1		10			<p>4■</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td>5</td></tr> <tr><td>8</td><td>6</td><td>4</td><td>9</td></tr> <tr><td></td><td>7</td><td>ऊँ श्री....</td><td>1</td></tr> <tr><td></td><td>3</td><td>10</td><td>12 2</td></tr> <tr><td></td><td>11</td><td></td><td></td></tr> </table>				5	8	6	4	9		7	ऊँ श्री....	1		3	10	12 2		11		
			7																																																																																
10	3	8	6																																																																																
	11	ऊँ श्री....	5																																																																																
	12	2	9 4																																																																																
	1																																																																																		
			8																																																																																
11	3	7	6																																																																																
	10	ऊँ श्री....	4																																																																																
	12	1	9 5																																																																																
	2																																																																																		
			4																																																																																
7	6	5	9																																																																																
	8	ऊँ श्री....	2																																																																																
	3	11	12 1																																																																																
	10																																																																																		
			5																																																																																
8	6	4	9																																																																																
	7	ऊँ श्री....	1																																																																																
	3	10	12 2																																																																																
	11																																																																																		

5■ <table style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td style="text-align: center;">1</td><td></td></tr> <tr><td style="text-align: center;">4</td><td style="text-align: center;">9</td><td style="text-align: center;">2</td><td style="text-align: center;">12</td><td></td></tr> <tr><td></td><td style="text-align: center;">5</td><td style="text-align: center;">ऊँ श्री....</td><td style="text-align: center;">11</td><td></td></tr> <tr><td></td><td style="text-align: center;">6</td><td style="text-align: center;">8</td><td style="text-align: center;">3</td><td style="text-align: center;">10</td></tr> <tr><td></td><td style="text-align: center;">7</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				1		4	9	2	12			5	ऊँ श्री....	11			6	8	3	10		7				6■ <table style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td style="text-align: center;">2</td><td></td></tr> <tr><td style="text-align: center;">5</td><td style="text-align: center;">9</td><td style="text-align: center;">1</td><td style="text-align: center;">12</td><td></td></tr> <tr><td></td><td style="text-align: center;">4</td><td style="text-align: center;">ऊँ श्री....</td><td style="text-align: center;">10</td><td></td></tr> <tr><td></td><td style="text-align: center;">6</td><td style="text-align: center;">7</td><td style="text-align: center;">3</td><td style="text-align: center;">11</td></tr> <tr><td></td><td style="text-align: center;">8</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				2		5	9	1	12			4	ऊँ श्री....	10			6	7	3	11		8				7■ <table style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td style="text-align: center;">10</td><td></td></tr> <tr><td style="text-align: center;">1</td><td style="text-align: center;">12</td><td style="text-align: center;">11</td><td style="text-align: center;">3</td><td></td></tr> <tr><td></td><td style="text-align: center;">2</td><td style="text-align: center;">ऊँ श्री....</td><td style="text-align: center;">8</td><td></td></tr> <tr><td></td><td style="text-align: center;">9</td><td style="text-align: center;">5</td><td style="text-align: center;">6</td><td style="text-align: center;">7</td></tr> <tr><td></td><td style="text-align: center;">4</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				10		1	12	11	3			2	ऊँ श्री....	8			9	5	6	7		4				8■ <table style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr><td></td><td></td><td></td><td style="text-align: center;">11</td><td></td></tr> <tr><td style="text-align: center;">2</td><td style="text-align: center;">12</td><td style="text-align: center;">10</td><td style="text-align: center;">3</td><td></td></tr> <tr><td></td><td style="text-align: center;">1</td><td style="text-align: center;">ऊँ श्री....</td><td style="text-align: center;">7</td><td></td></tr> <tr><td></td><td style="text-align: center;">9</td><td style="text-align: center;">4</td><td style="text-align: center;">6</td><td style="text-align: center;">8</td></tr> <tr><td></td><td style="text-align: center;">5</td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>				11		2	12	10	3			1	ऊँ श्री....	7			9	4	6	8		5			
			1																																																																																																				
4	9	2	12																																																																																																				
	5	ऊँ श्री....	11																																																																																																				
	6	8	3	10																																																																																																			
	7																																																																																																						
			2																																																																																																				
5	9	1	12																																																																																																				
	4	ऊँ श्री....	10																																																																																																				
	6	7	3	11																																																																																																			
	8																																																																																																						
			10																																																																																																				
1	12	11	3																																																																																																				
	2	ऊँ श्री....	8																																																																																																				
	9	5	6	7																																																																																																			
	4																																																																																																						
			11																																																																																																				
2	12	10	3																																																																																																				
	1	ऊँ श्री....	7																																																																																																				
	9	4	6	8																																																																																																			
	5																																																																																																						

तब-**उदाहरण [1]** परवर दिगार अल्लाह की स्तुति • **बिस्मील्ला हिर्रम्हमा निर्रहीम • (अल्लाह के नाम से शुरू जो बहुत मेहरबान और रहम करने वाला है)** संख्या [786] सा के प्रति-

1■ नियम A के अनुसार चौघड़ियों योगमान = [786] सा प्राप्त करने - $4a+21b=786$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पद $a=186$ और सर्वान्तर $b=2$ की प्रयुक्ता पर

12पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [186,188,190,192,194,196,198,200,202,204,206,208] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]-b=2*[208+186]-2=786$ सा

2. न्यूनतम प्रथम पद $a=18$ और सर्वान्तर $b=34$ की प्रयुक्ता पर

12 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [18,52,86,120,154,188,222,256,290,324,358,392] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]-b=2*[392+18]-34=786$ सा

2■ नियम B के अनुसार चौघड़ियों योगमान = [786] सा प्राप्त करने - $4a+22b=786$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पद $a=191$ और सर्वान्तर $b=1$ की प्रयुक्ता पर

12पदी समांतर श्रेढिक अवयव-[191,192,193,194,195,196,197,198,199,200,201,202] होगा।

2. न्यूनतम प्रथम पद $a=4$ और सर्वान्तर $b=35$ की प्रयुक्ता पर

12 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [4,39,64,99,134,169,204,239,274,309,344,,389] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]=2*[389+4]=786$ सा

3■ नियम C के अनुसार चौघड़ियों योगमान = [786] सा प्राप्त करने - $4a+23b=786$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पद $a=185$ और सर्वान्तर $b=2$ की प्रयुक्ता पर

12 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [185,187,189,191,193,195,197,199,201,203,205,207] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]+b=2*[207+185]+2=786$ सा

2. न्यूनतम प्रथम पद $a=1$ और सर्वान्तर $b=34$ की प्रयुक्ता पर

12 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [1,35,69,103,137,171,205,239,273,307,341,375] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]+b=2*[375+1]+34=786$ सा

उदाहरण [2] श्री बूढादेव जयसेचा संख्या [750] सा के प्रति-

1■ नियम A के अनुसार चौघड़ियों योगमान = [750] सा प्राप्त करने - $4a+21b=750$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पदमान $a=177$ और सर्वान्तर $b=2$ की प्रयुक्ता पर

12 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [177,179,181,183,185,187,189,191,193,195,197,199] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]-b=2*[199+177]-2=750$ सा

2. न्यूनतम प्रथम पद मान $a=9$ के प्रति सर्वान्तर $b=34$ की प्रयुक्ता पर

12 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [9,43,77,111,145,179,213,247,281,315,349,383] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]-b=2*[383+9]-34=750$ सा

2■ नियम B के अनुसार चौघड़ियों योगमान = [750] सा प्राप्त करने - $4a+22b=750$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पदमान $a=182$ और सर्वान्तर $b=1$ की प्रयुक्ता पर

12 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- [182,183,184,185,186,187,188,189,190,191,192,193] होगा।

जाँच $2 * [अंतिम पद+प्रथम पद]-b=2*[193+182]=750$ सा

2. न्यूनतम प्रथम पद मान $a=6$ और सर्वान्तर $b=33$ की प्रयुक्ता पर

12 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- $[6,39,72,105,138,171,204,237,270,303,336,369]$ होगा।

जाँच $2 * [\text{अंतिम पद} + \text{प्रथम पद}] = 2 * [369 + 6] = 750$ सा

3 ■ नियम C के अनुसार चौघड़ियाँ योगमान $= [750]$ सा प्राप्त करने - $4a + 23b = 750$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पद $a=176$ और सर्वान्तर $b=2$ की प्रयुक्ता पर

9 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- $[176,178,180,182,184,186,188,190,192,194,196,198]$ होगा।

जाँच $2 * [\text{अंतिम पद} + \text{प्रथम पद}] + b = 2 * [198 + 176] + 2 = 750$

746,742,738,734,730,726,722,718,714,710,706,702,698,694,690,

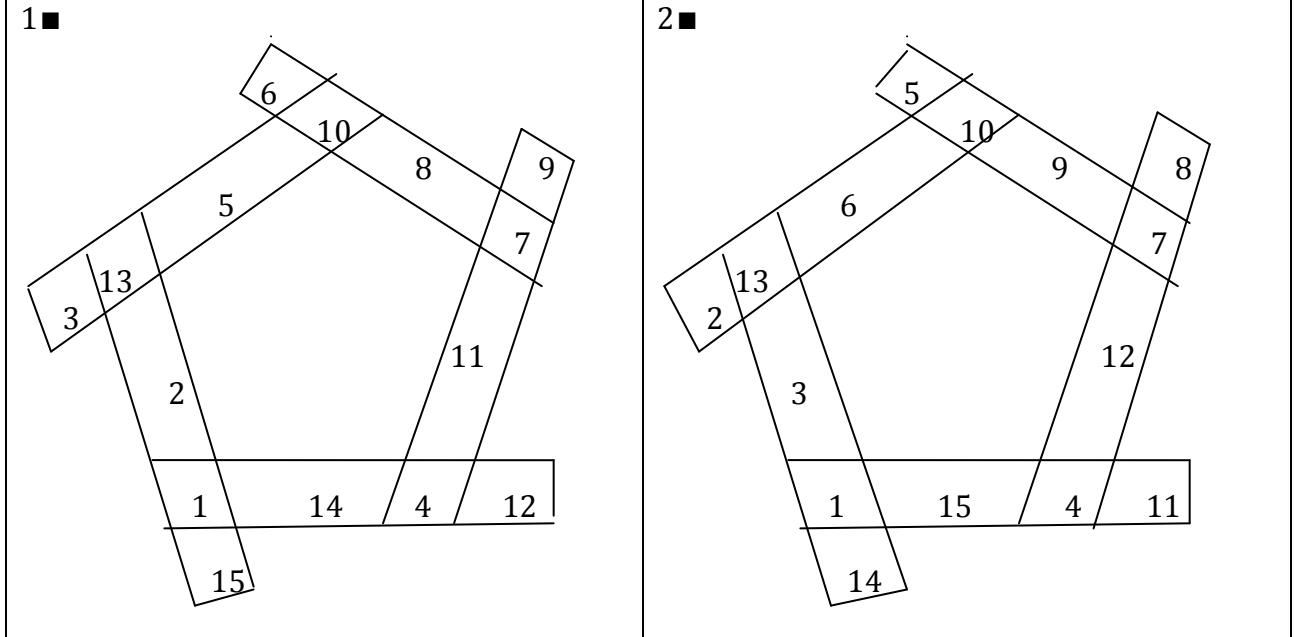
2. न्यूनतम प्रथम पद $a=15$ और सर्वान्तर $b=30$ की प्रयुक्ता पर

9 पदी समांतर श्रेढिक अवयव- $[15,45,75,105,135,165,195,225,255,285,315,345]$ होगा।

जाँच $2 * [\text{अंतिम पद} + \text{प्रथम पद}] + b = 2 * [345 + 15] + 30 = 750$

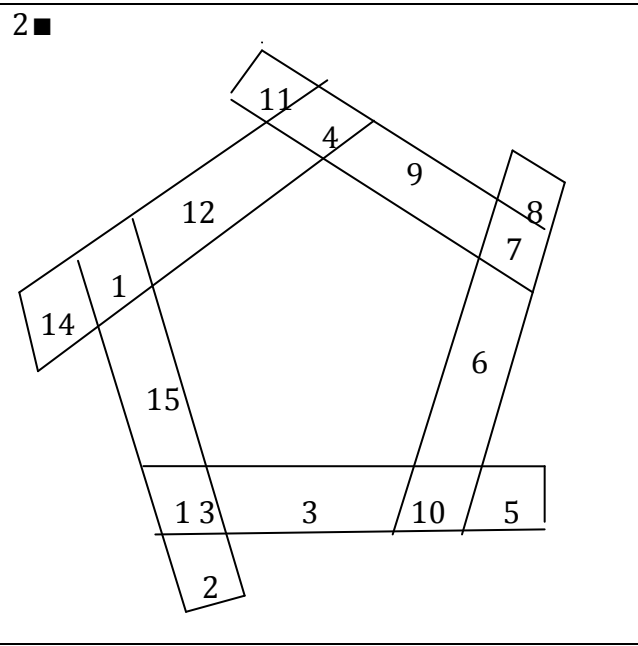
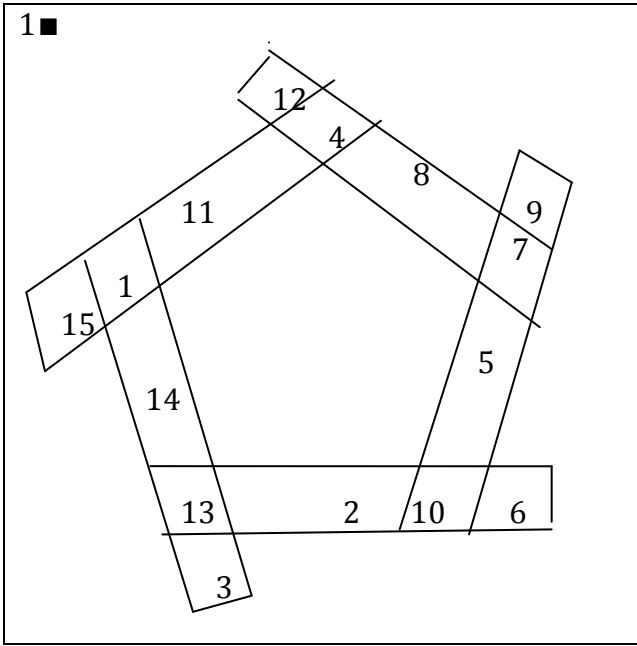
144 1 से 15 तक की क्रमागत 15 संख्यांक का अनुप्रयोग कर रचित पंच कोणिक, अन्तः एवं बाह्य भुजिक चौघड़ियाँ

प्रतिबंध A $S = 2 * [15 + 1] - 1 = 31$ (इक्तीसा) क तारतम्य में - प्रस्तुती नियम 1 ■ से



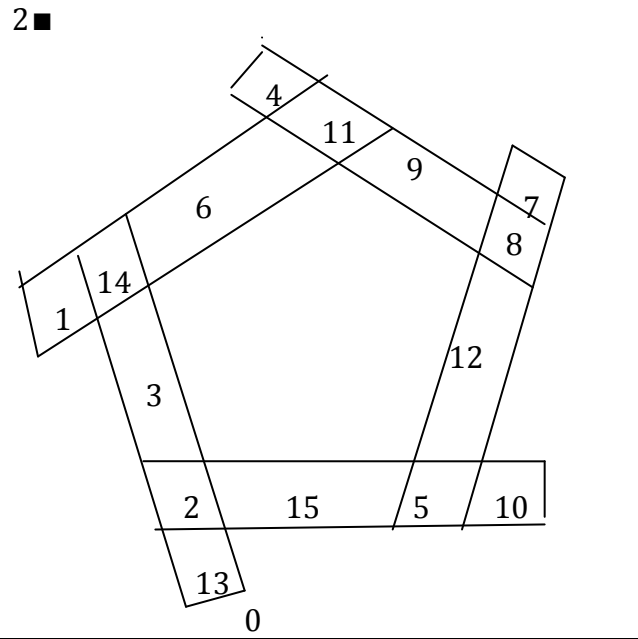
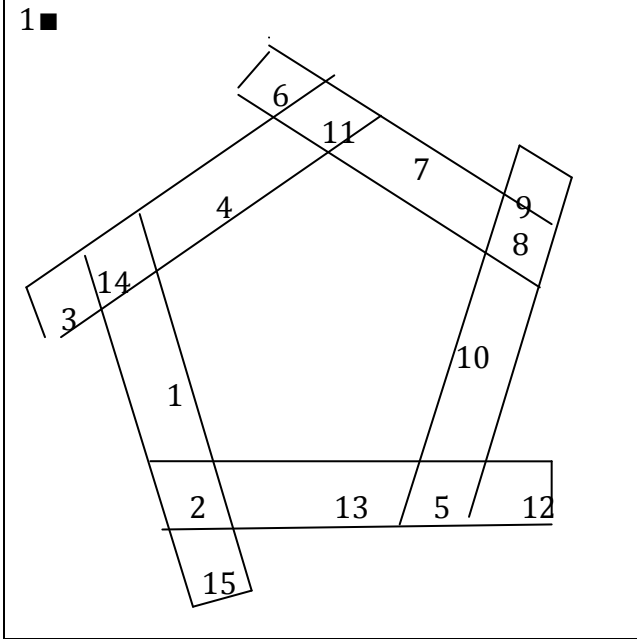
शेष 8 प्रस्तुती का प्रतिरूपण स्वयं करें।

प्रस्तुती नियम 2 ■ से



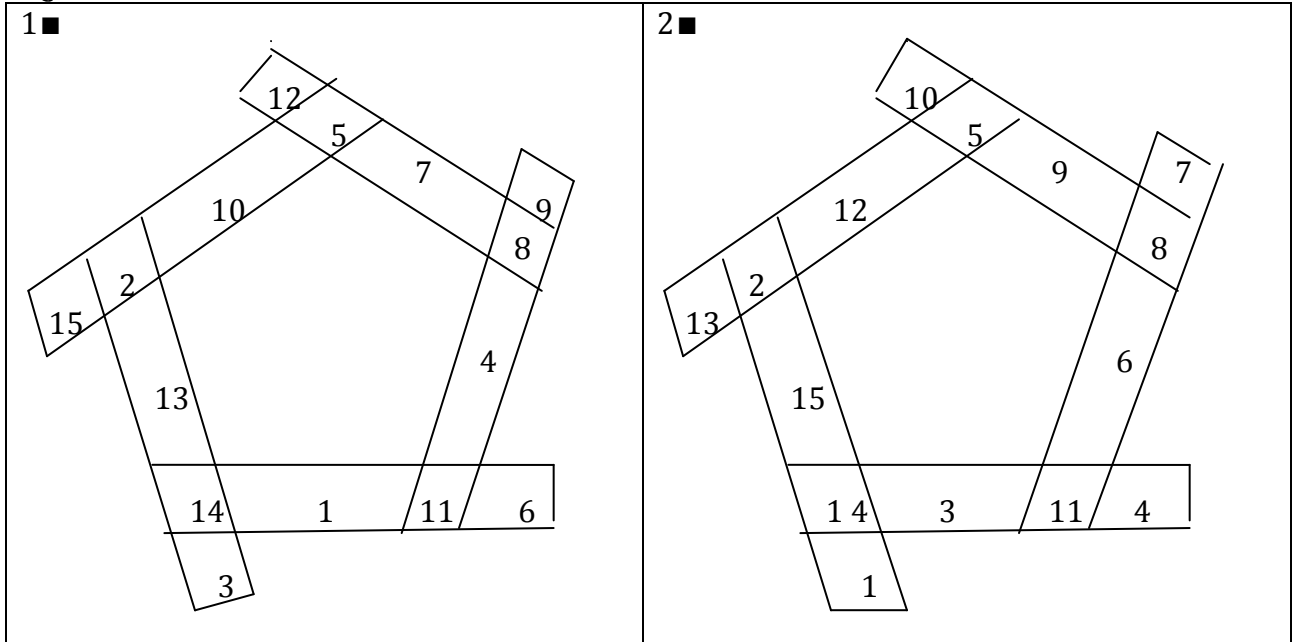
शेष 8 प्रस्तुती का प्रतिरूपण स्वयं करें।

प्रतिबंध B $S=2*[15 + 1] = 32$ (बत्तीसा) के तारतम्य में –
प्रस्तुती नियम 1 ■ से



शेष 8 प्रस्तुती का प्रतिरूपण स्वयं करें।

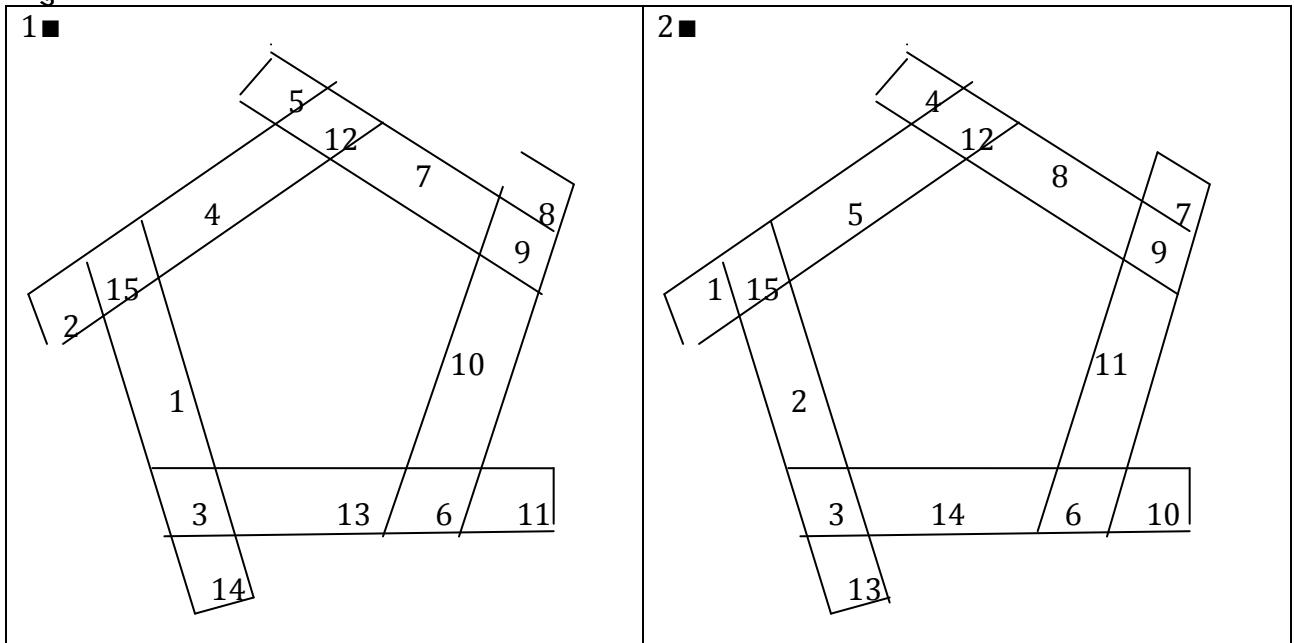
प्रस्तुती नियम 2 ■ से



शेष 8 प्रस्तुती का प्रतिरूपण स्वयं करें।

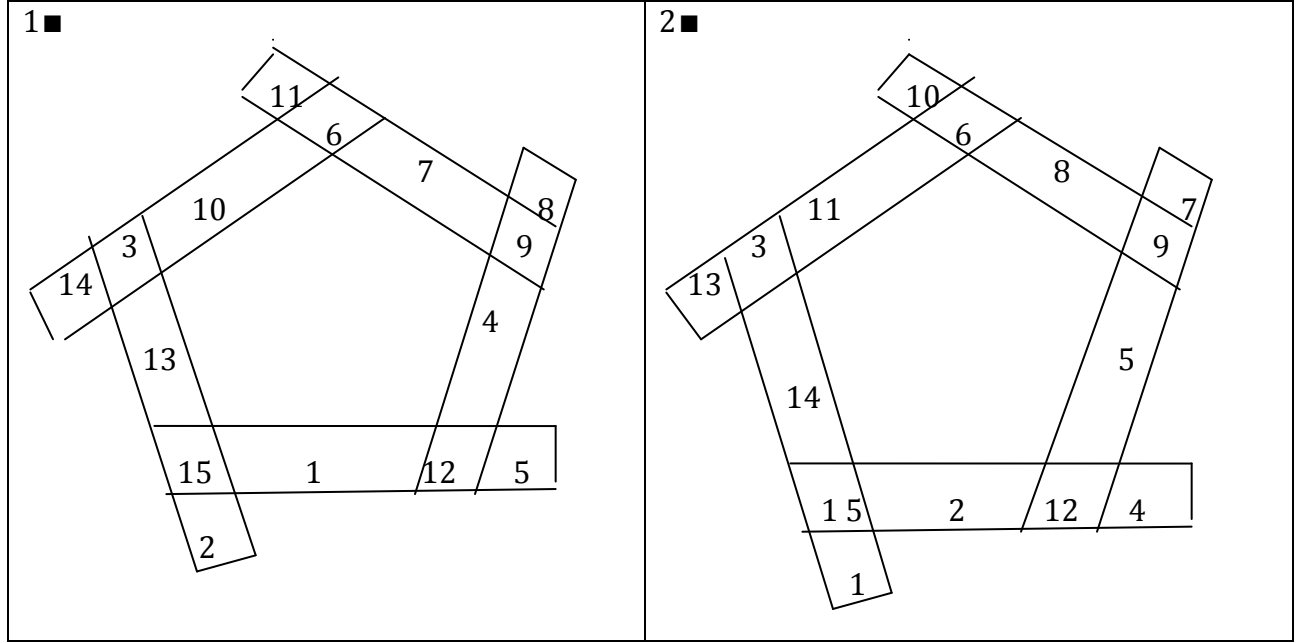
प्रतिबंध C $S=2*[15 + 1] + 1 = 33$ (तैतीसा) के तारतम्य में –

प्रस्तुती नियम 1 ■ से



शेष 8 प्रस्तुती का प्रतिरूपण स्वयं करें।

प्रस्तुती नियम 2 ■ से



शेष 8 प्रस्तुती का प्रतिरूपण स्वयं करें।

तब—उदाहरण [1] परवर दिगार अल्लाह की स्तुति • बिस्मील्ला हिर्रम्हमा निर्रहीम • (अल्लाह के नाम से शुरू जो बहुत मेहरबान और रहम करने वाला है।) संख्या [786] सा के प्रति—

1 ■ नियम A के अनुसार चौघड़ियों योगमान = [786] सा प्राप्त करने - $4a + 27b = 786$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पद $a = 183$ और सर्वान्तर $b = 2$ की प्रयुक्ता पर

15 पदी समांतर श्रेढिक अवयव—

[183, 185, 187, 189, 191, 193, 195, 197, 199, 201, 203, 205, 207, 209, 211] होगा।

जाँच $2 * [\text{अंतिम पद} + \text{प्रथम पद}] - b = 2 * [211 + 183] - 2 = 786$ सा

2. न्यूनतम प्रथम पद $a = 21$ और सर्वान्तर $b = 26$ की प्रयुक्ता पर

15 पदी समांतर श्रेढिक अवयव— [21, 47, 73, 99, 125, 151, 177, 203, 229, 255, 281, 307, 333, 359, 385] होगा।

जाँच $2 * [\text{अंतिम पद} + \text{प्रथम पद}] - b = 2 * [385 + 21] - 26 = 786$ सा

2 ■ नियम B के अनुसार चौघड़ियों योगमान = [786] सा प्राप्त करने - $4a + 28b = 786$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पद a और सर्वान्तर b का हलमान प्राकृत संख्या में नहीं होगा।

3 ■ नियम C के अनुसार चौघड़ियों योगमान = [786] सा प्राप्त करने - $4a + 29b = 786$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पद $a = 182$ और सर्वान्तर $b = 2$ की प्रयुक्ता पर

15 पदी समांतर श्रेढिक अवयव—

[182, 184, 186, 188, 190, 192, 194, 196, 198, 200, 202, 204, 206, 208, 210] होगा।

जाँच $2 * [\text{अंतिम पद} + \text{प्रथम पद}] + b = 2 * [210 + 182] + 2 = 786$ सा

2. न्यूनतम प्रथम पद $a = 8$ और सर्वान्तर $b = 26$ की प्रयुक्ता पर

15 पदी समांतर श्रेढिक अवयव— [8, 34, 60, 86, 112, 138, 164, 190, 216, 242, 268, 294, 320, 346, 372] होगा।

जाँच $2 * [\text{अंतिम पद} + \text{प्रथम पद}] + b = 2 * [372 + 8] + 26 = 786$ सा

उदाहरण [2] श्री बूढादेव जयसेवा संख्या [750] सा के प्रति-

1 ■ नियम A के अनुसार चौघड़ियाँ योगमान = [750] सा प्राप्त करने - $4a+27b=750$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पद $a=174$ और सर्वान्तर $b=2$ की प्रयुक्ता पर

15पदी समांतर श्रेढिक अवयव-

[174,176,178,180,182,184, 186,188,190,192,194,196,198,200,202] होगा।

जाँच $2 * [\text{अंतिम पद} + \text{प्रथम पद}] - b = 2 * [202 + 174] - 2 = 750$ सा

2. न्यूनतम प्रथम पद $a=12$ और सर्वान्तर $b=26$ की प्रयुक्ता पर

15 पदी समांतर श्रेढिक अवयव-

[12,38,64,90,116,142,168,194,220,246,272,298,324,350,376] होगा।

जाँच $2 * [\text{अंतिम पद} + \text{प्रथम पद}] - b = 2 * [376 + 12] - 26 = 750$ सा

2 ■ नियम B के अनुसार चौघड़ियाँ योगमान = [750] सा प्राप्त करने - $4a+28b=750$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पद a और सर्वान्तर b का हलमान प्राकृत संख्या में नहीं होगा।

3 ■ नियम C के अनुसार चौघड़ियाँ योगमान = [750] सा प्राप्त करने - $4a+29b=750$ के प्रति

1. अधिकतम प्रथम पद $a=173$ और सर्वान्तर $b=2$ की प्रयुक्ता पर

15 पदी समांतर श्रेढिक अवयव-

[173,175,177,179,181,183,185,187,189,191,193,195,197,199,201] होगा।

जाँच $2 * [\text{अंतिम पद} + \text{प्रथम पद}] + b = 2 * [201 + 173] + 2 = 750$ सा

2. न्यूनतम प्रथम पद $a=28$ और सर्वान्तर $b=22$ की प्रयुक्ता पर

15 पदी समांतर श्रेढिक अवयव-

[28,50,72,94,116,138,160,182,204,226,248,270,292,314,336] होगा।

जाँच $2 * [\text{अंतिम पद} + \text{प्रथम पद}] + b = 2 * [336 + 28] + 22 = 750$ सा

13-5 उपरोक्त विस्तारित च्याख्या से स्पष्टतः विदित कराया जा सकता है कि- किसी $n=3r$ पदों वाली समांतर श्रेढी का प्रथम पदमान a और सर्वान्तर b के प्रति चौघड़ियाँ का अर्थ \Rightarrow (कोणिक, अन्तः-भुजिक, कोणिक, बाह्य-भुजिक दर्ज अवयव की दृष्टि से) r चौघड़ियाँ रचित होगा। प्रत्येक चौघड़िया में दर्ज अवयव का योगमान $S \geq 19$ सा लिये जाने पर

[1] नियम A के तारतम्य में $S=4a+2b(n-1)-b=4a+2bn-3b$ से $n=\frac{S+3b-4a}{2b} \Rightarrow r=\frac{S+3b-4a}{6b}$

[2] नियम B के तारतम्य में $S=4a+2b(n-1)=4a+2bn-2b$ से $n=\frac{S+2b-4a}{2b} \Rightarrow r=\frac{S+2b-4a}{6b}$

[3] नियम C के तारतम्य में $S=4a+2b(n-1)+b=4a+2bn-b$ से $n=\frac{S+b-4a}{2b} \Rightarrow r=\frac{S+b-4a}{6b}$ संतुष्ट होंगे।

उदाहरण 1 ■ प्रत्येक चौघड़िया में दर्ज अवयव का योगमान $S=786$ के प्रति प्रयुक्त समान्तर श्रेढी के पदों का अधिकतम मान, प्रथम पदमान एवं सर्वान्तर -

[1] नियम A के तारतम्य में पदों का अधिकतम मान $n=195$, प्रथम पदमान $a=3$, सर्वान्तर $b=2$ होगा। जिसके प्रति

$195 \div 3 = 65$ कोणिक, अन्तः एवं बाह्य भुजिक चौघड़ियाँ $4*65=260$ प्रतिरूपण में दर्शित कराया जा सकता है।

[2] नियम B के तारतम्य में पदों का अधिकतम मान $n=390$, प्रथम पदमान $a=2$, सर्वान्तर $b=1$ होगा। जिसके प्रति

$390 \div 3 = 130$ कोणिक, अन्तः एवं बाह्य भुजिक चौघड़ियाँ $4*130=520$ प्रतिरूपण में दर्शित कराया जा सकता है।

[3] नियम C के तारतम्य में पदों का अधिकतम मान $n=195$, प्रथम पदमान $a=2$, सर्वान्तर $b=2$ होगा। जिसके प्रति

$195 \div 3 = 65$ कोणिक, अन्तः एवं बाह्य भुजिक चौघड़ियाँ $4*65=260$ प्रतिरूपण में दर्शित कराया जा सकता है।

उदाहरण 2 ■ प्रत्येक चौघड़िया में दर्ज अवयव का योगमान $S=750$ के प्रति प्रयुक्त समान्तर श्रेढी के पदों का अधिकतम मान, प्रथम पदमान एवं सर्वान्तर -

[1] नियम A के तारतम्य में पदों का अधिकतम मान $n=186$, प्रथम पदमान $a=3$, सर्वान्तर $b=2$ होगा। जिसके प्रति

$186 \div 3 = 62$ कोणिक, अन्तः एवं बाह्य भुजिक चौघड़ियाँ $4*62=248$ प्रतिरूपण में दर्शित कराया जा सकता है।

[2] नियम B के तारतम्य में पदों का अधिकतम मान $n=372$, प्रथम पदमान $a=2$, सर्वान्तर $b=1$ होगा। जिसके प्रति

372 ÷ 3 = 124 कोणिक , अन्तः एवं बाह्य भुजिक चौघड़ियों $4*124=496$ प्रतिरूपण में दर्शित कराया जा सकता है।
[3] नियम C के तारतम्य में पदों का अधिकतम् मान **n=186**, प्रथम पदमान **a=2** सर्वान्तर **b=2** होगा। जिसके प्रति
186 ÷ 3 = 62 कोणिक , अन्तः एवं बाह्य भुजिक चौघड़ियों $4*62=248$ प्रतिरूपण में दर्शित कराया जा सकता है।
-----14-----

